



भारत सरकार को बैंक खाता संचालन और नोटबंदी के बाद 2,090,32 संदिग्ध कम्पनियों के लेनदेन की जानकारी 13 बैंकों द्वारा मिली, जिन्हें इस वर्ष के शुरुआत में कम्पनी के रजिस्टर से हटा दिया गया है। जांच एजेंसियों को निश्चित समय में आवश्यक जांच-पड़ताल पूरा करने के लिये कहा गया है।

Posted On: 06 OCT 2017 12:54PM by PIB Delhi

काले धन और नाम भर की कम्पनियों के खिलाफ लड़ाई में यह निश्चित रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धि है, भारत सरकार को बैंक खाता संचालन और नोटबंदी के बाद 2,090,32 संदिग्ध कम्पनियों के लेनदेन की जानकारी 13 बैंकों द्वारा मिली है जिन्हें इस वर्ष की शुरुआत में कम्पनी के रजिस्टर से हटा दिया गया था। इनका नाम हटाने के बाद इन 2,090,32 संदिग्ध कम्पनियों के बैंक खातों का संचालन उनकी देनदारियों की अदायगी तक सीमित कर दिया गया था।

इन 13 बैंकों ने उनके आंकड़ों की पहली किश्त जमा कर दी है। इनके द्वारा प्राप्त आंकड़े लगभग 5,800 कम्पनियां (इनमें से 2 लाख से अधिक के नाम काट दिए गए हैं), जिनके 13,140 खाते सक्रिय हैं। यह अपने आप में एक सारगर्भित आंकड़ा है। कुछ कम्पनियों के उनके नाम से 100 से अधिक खाते पाए गए हैं। इन कम्पनियों में से एक कम्पनी जिसके 2,134 खाते हैं और बहुत सी कम्पनियों के खाते 900 और 300 की श्रेणी में हैं।

नोटबंदी से पूर्व और नोटबंदी की अवधि के दौरान इन खातों में शेष और इन कम्पनियों द्वारा खातों में लेनदेन चौकाने वाले हैं।

यह सूचना मिली है कि 8 नवंबर, 2016 को ऋण खातों को पृथक करने के बाद इन कम्पनियों की अल्पराशि 22.05 करोड़ रुपये थी।

यद्यपि 9 नवंबर, 2016 से, नोटबंदी की घोषणा के बाद, इन कम्पनियों के नाम काट दिये जाने की तारीख तक, इन कम्पनियों ने कुल मिलाकर अपने खातों में 4,573.87 करोड़ रुपये जमा किए और लगभग समान राशि 4,552 करोड़ रुपये इन खातों से निकाली। ऋण खातों में 80.79 करोड़ रुपये नकारात्मक प्रारंभिक शेष था। 8 नवंबर, 2016 को नकारात्मक शेष वाली कम्पनियों के खातों को पहचान की जा चुकी है जिनमें करोड़ों में राशि जमा की गई और निकाली गई और बाद में इन खातों को तुच्छ राशि के साथ निष्क्रिय कर दिया गया। जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि यह अधिकारियों के साथ बातचीत की प्रक्रिया नोटबंदी के बाद से लेकर जब तक कम्पनियों के नाम काट दिये गए, चलती रही। कुछ मामलों में कुछ कम्पनियां इतनी दुस्साहसी रही कि नाम काटने के बाद भी पैसा जमा करती रही निकालती रही।

उदाहरणस्वरूप, 8 नवंबर, 2016 को एक बैंक में 429 कम्पनियों के बैंक खातों में नगण्य शेष राशि थी, इन्होंने 11 करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा की और निकाली और फ्रीजिंग डेट पर इनके खाते में केवल 42,000 रुपये की राशि थी।

इसी तरह एक और बैंक के मामले में 3,000 से अधिक ऐसी कम्पनियां जिनके विविध खाते हैं, इनकी पहचान की जा चुकी है। 8 नवंबर, 2016 को लगभग 13 करोड़ रुपये की संचयी जमा राशि से इन कम्पनियों ने लगभग 3,800 करोड़ रुपये की राशि जमा की व निकाली और उनके खातों के फ्रीज होने के समय खातों में लगभग 200 करोड़ रुपये की नकारात्मक संचयी राशि छोड़ी।

इसका पुनः उल्लेख करने की आवश्यकता है कि यह आंकड़े कुल संदिग्ध कम्पनियों का केवल 2.5% है जिन्हें सरकार द्वारा हटा दिया गया था। इन कम्पनियों द्वारा खेला गया वृहत् पैसे का खेल और इन्हीं जैसी अन्य कंपनियों द्वारा भ्रष्टाचार, कालाधन और काले कारनामों की ओर संकेत हो सकता है।

जांच एजेंसियों को इस संबंध में निश्चित समय में आवश्यक जांच पूरा करने के लिये कहा गया है। इस देश और यहाँ के ईमानदार नागरिक, आने वाले कल को और अधिक पारदर्शिता के साथ देख सकते हैं।

वीके/पीकेए/डीए- 4074

